करेंट अफेयर्स
मध्य प्रदेश
(संग्रह)

अगस्त
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश 3

- हेरिटेज ट्रेन पातालपानी-कालाकुंड लाइन 3
- सोनाली मिश्रा: RPF की पहली महिला महानिदेशक 3
- CO_2 खनिजीकरण हेतु ड्रिलिंग अभियान 4
- मध्य प्रदेश में स्वर्ण अयस्क की खोज 5
- डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104वीं जयंती 6
- अंजना सिंह द्वारा माउंट एल्ब्रूस पर नशा मुक्ति संदेश 10
- हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान 11
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार 2025 12
- अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि 13
- राष्ट्रीय लता मंगेशकर और किशोर कुमार पुरस्कार 15
- मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना 16
- भोजपुर मंदिर में स्वच्छता अभियान 17
- विश्व अंगदान दिवस 19
- एशियाई कैनो स्लालम चैंपियनशिप 20
- बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व 21
- विश्व फोटोग्राफी दिवस 23
- रेलवे का सबसे लंबा ग्रेड सेपरेटर ब्रिज 24
- मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 25
- मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी 25
- 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना 26
- संपूर्णता अभियान 27
- मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक 28
- मध्य प्रदेश में मानवाधिकार उल्लंघन 29
- फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (FDR) तकनीक 31
- मध्य प्रदेश में खाद्य अपमिश्रण के मामले 31
- मध्य प्रदेश में घोषित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएँ 32
- रण संवाद-2025 33
- वीर सिंह देव राष्ट्रीय पुरस्कार 34
- अभ्यास ब्राइट स्टार 2025 35

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

मध्य प्रदेश

हेरिटेज ट्रेन पातालपानी-कालाकुंड लाइन

चर्चा में क्यों?

भारतीय रेलवे ने **मध्य प्रदेश** में स्थित ऐतिहासिक (155 वर्ष पुरानी) **पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन** का संचालन फिर से प्रारंभ किया है। पर्यटन में गिरावट के कारण यह सेवा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई थी।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - इस रेल लाइन (इंदौर से खंडवा) का प्रस्ताव **19वीं सदी** में **इंदौर रियासत** के शासक **तुकोजी राव होलकर द्वितीय** (शासनकाल: 1844–1886) द्वारा रखा गया था। इसे वर्ष **1878** में **होलकर स्टेट रेलवे** के अंतर्गत पूर्ण किया गया तथा बाद में इसे **राजपूताना-मालवा रेलवे** में विलय कर दिया गया।।
  - इस क्षेत्र में रेलवे लाइन की आवश्यकता 19वीं शताब्दी में महसूस की गई, जब वर्ष 1818 में **होल्कर परिवार** के अधीन **ब्रिटिश संरक्षित राज्य इंदौर** की स्थापना हुई।
    - **पातालपानी रेलवे स्टेशन** इस लाइन पर बनने वाला **प्रथम स्टेशन** था, जिसका निर्माण वर्ष **1874-1878** के मध्य किया गया।
  - **स्थान:** डॉ. अंबेडकर नगर-खंडवा प्रभाग में स्थित **पातालपानी-कालाकुंड लाइन** वर्ष 2018 से **हेरिटेज ट्रेन** के रूप में चालू है।
  - यह **9.5 किमी लंबी मीटर गेज लाइन** दुर्गम भू-भाग के कारण **ब्रॉड गेज में परिवर्तित नहीं** की जा सकी है, फिर भी इसे **ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य** के कारण संरक्षित किया गया है।
  - **विशिष्टता:** इस मार्ग में **गहरी घाटियाँ, ऊँचे तटबंध, सुरंगें** और **प्राकृतिक झरने** शामिल हैं, जिनमें प्रसिद्ध **पातालपानी झरना** (चोरल नदी पर, नर्मदा नदी की एक सहायक नदी) भी शामिल है।
- **भारतीय रेलवे में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल**
  - **भारतीय रेलवे (IR)** का इतिहास 160 वर्षों से अधिक पुराना है, जिसमें **मूर्त** और **अमूर्त** दोनों प्रकार की विरासत सुरक्षित है।
  - भारतीय रेलवे चार यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों को संरक्षित करता है, जिनके नाम हैं:
  - **दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे** (1999), **नीलगिरि माउंटेन रेलवे (2005)**, **कालका शिमला रेलवे** (2008) और **छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुंबई (2004)।**
  - दो और रेलवे स्टेशन प्रतीक्षा में हैं या अस्थायी सूची में हैं, अर्थात् माथेरान लाइट रेलवे और काँगड़ा वैली रेलवे।

सोनाली मिश्रा: RPF की पहली महिला महानिदेशक

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश कैडर की वर्ष **1983 बैच की IPS अधिकारी** सोनाली मिश्रा ने **रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की महानिदेशक (DG)** का पद ग्रहण किया है। वह RPF के **143 वर्षों के इतिहास में इस बल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला** बनी हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **नियुक्ति:**
  - सोनाली मिश्रा की नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (Appointments Committee of the Cabinet) द्वारा मंज़ूरी दी गई है। वह **31 अक्तूबर 2026** को सेवानिवृत्त होने तक इस पद पर कार्य करेंगी।
  - उन्होंने **मनोज यादव** का स्थान लिया, जो **31 जुलाई 2025** को सेवानिवृत्त हुए।
- **DG बनने से पहले**
  - मध्य प्रदेश में **पुलिस (चयन/भर्ती) की अतिरिक्त महानिदेशक** के रूप में कार्यरत थीं।
  - **पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल** में अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन किया।
  - **मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी की निदेशक** के रूप में भी सेवा दी।
  - उन्होंने CBI (Central Bureau of Investigation) **तथा** BSF (Border Security Force) में भी कार्य किया है।
  - **संयुक्त राष्ट्र की कोसोवो शांति मिशन** में सेवा देकर उन्होंने **अंतर्राष्ट्रीय अनुभव** अर्जित किया।
- **सम्मान एवं पुरस्कार**
  - उन्हें उत्कृष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।
  - साथ ही, सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक से भी सम्मानित किया गया है।

रेलवे सुरक्षा बल (RPF)

- RPF **एक सशस्त्र बल** है, जो **केंद्र सरकार के रेल मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है। इसका दायित्व **रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र** और **यात्रियों की सुरक्षा** सुनिश्चित करना है।
- इसका प्रारंभिक स्वरूप वर्ष 1881 **में निजी रेलवे कंपनियों के वॉच एंड वार्ड विभाग** के रूप में था।
- **वर्ष 1957 के RPF अधिनियम** के तहत इसे वैधानिक निकाय का स्वरूप मिला।
- **वर्ष 1966 में रेलवे संपत्ति (अनधिकृत अधिपत्य) अधिनियम** पारित किया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त किया जा सके।
- **वर्ष 1985 में RPF अधिनियम में संशोधन** के पश्चात् इसे **सशस्त्र बल** का दर्जा मिला और यह एक केंद्रीय पुलिस संगठन के रूप में विकसित हुआ।
- **मंत्र: यशो लभस्व** (यश प्राप्त करो)।

CO_2 खनिजीकरण हेतु ड्रिलिंग अभियान

चर्चा में क्यों?

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल (IISER) ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (CSIR-NGRI) **के सहयोग से DeCarbFaroe कार्यक्रम** के तहत CO_2 खनिजकरण के लिये कुएँ की ड्रिलिंग परियोजना शुरू की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह कार्यक्रम कार्बन भंडारण उद्देश्यों के लिये बेसाल्ट में CO_2 खनिजीकरण की खोज पर केंद्रित है, जो जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के उद्देश्य से कार्बन कैप्चर और भंडारण (CCS) प्रौद्योगिकी का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है।
  - इस परियोजना में ***एशिया और यूरोप*** के **9 देशों** की भागीदारी है, जिससे *वैज्ञानिक सहयोग* और *ज्ञान विनिमय* को बढ़ावा मिलता है। भारत इस *अंतर्राष्ट्रीय प्रयास* में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।
- **सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय अंतर्दृष्टि:**
  - यह परियोजना *PERBAS कार्यक्रम* से जुड़ी है, जिसका उद्देश्य *प्रवाहित बेसाल्ट* में CO_2 भंडारण की सुरक्षा का मूल्यांकन करना है।
  - *PERBAS* ने आइसलैंड और अमेरिका में सफल *CO_2 खनिजकरण परीक्षणों* से प्राप्त अनुभवों को शामिल किया है, जहाँ **2 वर्षों के भीतर** बेसाल्ट में CO_2 का सफल खनिजकरण किया गया।
- **वित्तीय सहायता:**
  - भारत सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, PERBAS और DeCarbFaroe दोनों पहलों के लिये वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।
- **बेसाल्ट संरचनाओं में CO_2 का संग्रहण और भंडारण:**
  - *CCS तकनीक* के अंतर्गत औद्योगिक उत्सर्जन से CO_2 को ग्रहण करके इसे दीर्घकालिक भंडारण के लिये भू-गर्भीय संरचनाओं में गहराई में इंजेक्ट किया जाता है।
  - एकत्र CO_2 को जल के साथ मिश्रित कर भूवैज्ञानिक संरचनाओं में प्रविष्ट किया जाता है, जैसे खारे जलभृत या डेक्कन ट्रैप बेसाल्ट चट्टानें।
    - बेसाल्ट संरचनाएँ (डेक्कन ट्रैप) तीव्र CO_2 **खनिजीकरण** को सुगम बनाती हैं, यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें CO_2 बेसाल्ट के साथ प्रतिक्रिया करके कुछ वर्षों के भीतर स्थिर कार्बोनेट खनिज बनाती है।
    - यह खनिजीकरण CO_2 रिसाव के न्यूनतम जोखिम के साथ दीर्घकालिक कार्बन भंडारण सुनिश्चित करता है, जिससे यह दीर्घकालिक पृथक्करण के लिये एक सुरक्षित विकल्प बन जाता है।
- **महत्त्व:**
  - चूँकि भारत वैश्विक स्तर पर **तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश** बनकर उभर रहा है और कोयले पर उसकी निर्भरता बहुत ज़्यादा है, इसलिये कार्बन कैप्चर और भंडारण (CCS) तकनीक ज़रूरी हो जाती है।
  - यह तकनीक कोयले का उपयोग जारी रखते हुए ***पर्यावरणीय प्रभाव*** को कम करने में सक्षम बनाती है।
    - **ऊर्जा सूचना प्रशासन** (2009) के अनुमानों से पता चलता है कि विकासशील देश वर्ष 2030 तक वैश्विक ऊर्जा वृद्धि में 59% और कोयला उपयोग में 94% की वृद्धि का योगदान देंगे, जिससे ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि होगी।

मध्य प्रदेश में स्वर्ण अयस्क की खोज

चर्चा में क्यों ?

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा किये गए सर्वेक्षण के दौरान, मध्य प्रदेश के **जबलपुर ज़िले** की सिहोरा तहसील के **महगवाँ** और **केवलारी क्षेत्रों** में **स्वर्ण अयस्क भंडार** की खोज की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण और निष्कर्ष:**
  - यद्यपि इस क्षेत्र में लौह अयस्क प्रचुर मात्रा में है, लेकिन **पहली बार स्वर्ण अयस्क** की भी जानकारी मिली है; भूवैज्ञानिकों को **लौह अयस्क** के साथ-साथ सीमित मात्रा में **स्वर्ण अयस्क** भी मिला है।
  - जबलपुर में **सोने का भंडार** अनुमानत: **100 हेक्टेयर** में फैला हुआ है तथा विशेषज्ञों का अनुमान है कि इसकी मात्रा **लाखों टन** तक पहुँच सकती है।
  - प्रारंभिक **मृदा नमूने** से इस क्षेत्र में ताँबे और अन्य **मूल्यवान धातुओं** की उपस्थिति का भी पता चला है।
- **अन्य स्वर्ण परियोजनाओं से निकटता:**
  - जबलपुर में सोने की खोज इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह **कटनी ज़िले के धिमरखेड़ा क्षेत्र** में स्थित **इमलिया स्वर्ण** और **बेस मेटल खंड परियोजना** के समीप है।
  - यह भौगोलिक निकटता दर्शाती है कि महगवाँ और केवलारी जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में भी **इमलिया जैसी खनिज संरचना** मिल सकती है।
    - **इमलिया स्वर्ण खदान**, जिसे **50 वर्षों के लिये पट्टे पर दिया गया** है, इस पूरे क्षेत्र को **खनिज दृष्टि से समृद्ध** बनाता है।
- **महत्त्व:**
  - **सोने की खोज** से **मध्य प्रदेश** में **खनिज अन्वेषण** में वृद्धि हो सकती है, जिससे क्षेत्र में पहले से ज्ञात **लौह अयस्क** और **मैंगनीज़** के भंडार में **सोना** भी शामिल हो जाएगा।
  - यह खोज स्थानीय अर्थव्यवस्था **को मज़बूत** करने और जबलपुर को **भारत के प्रमुख खनिज समृद्ध क्षेत्रों** में स्थापित करने की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण कदम** है।

मध्य प्रदेश में खनिज संसाधन

- मध्य प्रदेश भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ प्रसिद्ध **पन्ना खदानों** से हीरा निकाला जाता है।
- यह राज्य **कॉपर कंसंट्रेट, डायास्पोर, पाइरोफिलाइट, मैंगनीज़ अयस्क,** चूना पत्थर और मृदा (अन्य) का भी प्रमुख उत्पादक है।
- राज्य में देश के **90% हीरा**, 74% डायास्पोर, 55% लेटेराइट, 48% पाइरोफिलाइट, 41% मोलिब्डेनम, 27% डोलोमाइट, **19% ताँबे का अयस्क,** 18% फायर क्ले, 12% मैंगनीज़ तथा 8% रॉक फॉस्फेट अयस्क संसाधन मौजूद हैं।

डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

भारत के नौवें राष्ट्रपति (**25 जुलाई, 1992 से 25 जुलाई, 1997 तक**) **डॉ. शंकर दयाल शर्मा की 104 वीं जयंती** के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में पुष्पांजलि अर्पित की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

डॉ. शंकर दयाल शर्मा के बारे में:

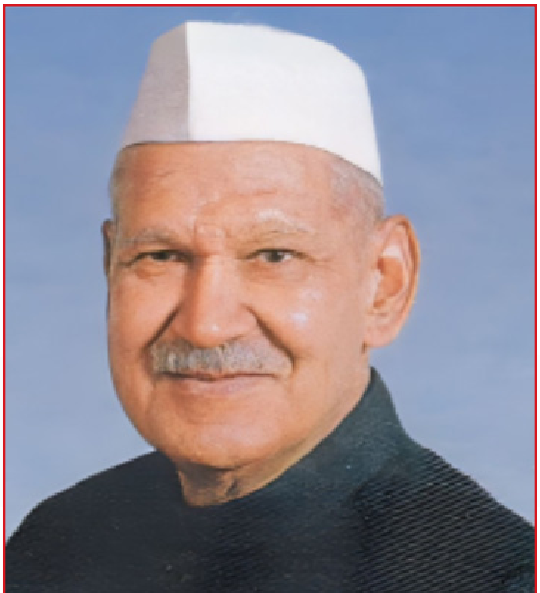

DR SHANKAR DAYAL SHARMA
9th President Of India

- **परिचय:**
  - डॉ. शंकर दयाल शर्मा का जन्म **19 अगस्त 1918** को भोपाल (मध्य प्रदेश) में हुआ था।
  - वे एक प्रतिष्ठित **वकील, राजनीतिज्ञ** और भारत के नौवें राष्ट्रपति थे।
  - उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई तथा विभिन्न राजनीतिक दायित्वों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- **शिक्षा:**
  - उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा **आगरा और लखनऊ** विश्वविद्यालयों से प्राप्त की।
  - **कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय** से विधि में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद, उन्होंने लंदन में लिंकन इन और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन किया।
  - उन्होंने वर्ष 1940 में लखनऊ में अपनी वकालत शुरू की।
- **साहित्यिक कार्य:**
  - वे एक प्रख्यात कवि और लेखक भी थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और ***लखनऊ लॉ जर्नल*** *(1941-43)* तथा ***सोशलिस्ट इंडिया*** *(1971-74)* जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राजनीतिक यात्रा:**
  - वर्ष 1952 से 1956 तक वे भोपाल विधानसभा के सदस्य रहे और राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने।
  - वह 1956 से 1971 तक मध्य प्रदेश विधानसभा के लिये पुन: निर्वाचित हुए और उन्होंने आंध्र प्रदेश, पंजाब तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।
  - वर्ष 1971 में वे लोकसभा के लिये चुने गए और वर्ष 1974 से 1977 तक संचार मंत्री रहे।
- **उपराष्ट्रपति पद और राष्ट्रपति पद:**
  - वर्ष 1984 में वे भारत के आठवें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए और दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे।
  - वर्ष 1992 में वे भारत के राष्ट्रपति बने।
  - अक्तूबर 2000 में राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने उनके सम्मान में विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया।
- **मृत्यु:**
  - 26 दिसंबर 1999 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

भारत के राष्ट्रपति के बारे में मुख्य तथ्य

- **दो कार्यकाल:** भारत के एकमात्र राष्ट्रपति, जिन्होंने दो कार्यकाल पूरे किये **–** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।
- **राष्ट्रपति की मृत्यु:** अब तक दो राष्ट्रपतियों, **डॉ. जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद** का अपने कार्यकाल के दौरान निधन हो चुका है।
- **कार्यवाहक राष्ट्रपति:** मई,1969 में जब डॉ. जाकिर हुसैन का निधन हुआ, तो तत्कालीन उपराष्ट्रपति **वी.वी. गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने**।
  - इसके बाद वी.वी. गिरि ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा दे दिया।
- **CJI कार्यवाहक राष्ट्रपति:** वी.वी. गिरि के इस्तीफे के बाद, मुख्य न्यायाधीश एम. हिदायतुल्ला ने 20 जुलाई,1969 से 24 अगस्त,1969 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

नोट: न्यायमूर्ति हिदायतुल्लाह भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने तीनों सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर कार्य किया है: **भारत के मुख्य न्यायाधीश, कार्यवाहक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति।**

भारत के राष्ट्रपति (1950-2025)

क्र.सं.	नाम	पदग्रहण	पदमुक्त	अवधि	मुख्य विवरण
1	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	26 जनवरी, 1950	13 मई, 1962	12 वर्ष, 107 दिन	भारत के प्रथम राष्ट्रपति; दो कार्यकाल तक सेवा करने वाले एकमात्र राष्ट्रपति
2	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	13 मई, 1962	13 मई, 1967	5 साल	दार्शनिक-राष्ट्रपति; **उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।**
3	डॉ. ज़ाकिर हुसैन	13 मई, 1967	3 मई, 1969	1 वर्ष, 355 दिन	**प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति; पद पर रहते हुए मृत्यु हो गई।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

कार्यवाहक	वी.वी. गिरि	3 मई, 1969	20 जुलाई, 1969	78 दिन	ज़ाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति
कार्यवाहक	न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्लाह	20 जुलाई, 1969	24 अगस्त, 1969	35 दिन	**CJI ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया; वी.वी. गिरि ने चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा दिया**
4	वी.वी. गिरि	24 अगस्त. 1969	24 अगस्त. 1974	5 साल	आधिकारिक कॉन्ग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की
5	फखरुद्दीन अली अहमद	24 अगस्त, 1974	11 फरवरी, 1977	2 वर्ष, 171 दिन	**आपातकालीन अवधि के दौरान कार्यालय में मृत्यु हो गई**
कार्यवाहक	बी.डी. जट्टी	11 फरवरी, 1977	25 जुलाई, 1977	164 दिन	कार्यवाहक राष्ट्रपति; कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री
6	नीलम संजीव रेड्डी	25 जुलाई, 1977	25 जुलाई, 1982	5 साल	**प्रथम राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गए**
7	ज्ञानी जैल सिंह	25 जुलाई, 1982	25 जुलाई, 1987	5 साल	**पहले सिख राष्ट्रपति**
8	आर. वेंकटरमन	25 जुलाई, 1987	25 जुलाई, 1992	5 साल	**पूर्व उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री**
9	डॉ. शंकर दयाल शर्मा	25 जुलाई, 1992	25 जुलाई, 1997	5 साल	**मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री**
10	के.आर. नारायणन	25 जुलाई, 1997	25 जुलाई, 2002	5 साल	**प्रथम दलित राष्ट्रपति; राजनयिक**
11	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम	25 जुलाई, 2002	25 जुलाई, 2007	5 साल	"जनता के राष्ट्रपति"; भारत के मिसाइल मैन
12	प्रतिभा पाटिल	25 जुलाई, 2007	25 जुलाई, 2012	5 साल	**भारत की पहली महिला राष्ट्रपति**
13	प्रणब मुखर्जी	25 जुलाई, 2012	25 जुलाई, 2017	5 साल	अनुभवी राजनीतिज्ञ; पूर्व वित्त मंत्री
14	राम नाथ कोविंद	25 जुलाई, 2017	25 जुलाई, 2022	5 साल	दूसरे दलित राष्ट्रपति; बिहार के पूर्व राज्यपाल
15	द्रौपदी मुर्मू	25 जुलाई, 2022	वर्तमान	3+ वर्ष	वर्तमान राष्ट्रपति; **पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

अंजना सिंह द्वारा माउंट एल्ब्रूस पर नशा मुक्ति संदेश

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मैहर के **अमरपाटन** क्षेत्र की 26 वर्षीय **अंजना सिंह ने** यूरोप की सबसे ऊँची चोटी माउंट एल्ब्रूस (18,510 फीट) पर "**नशे से दूरी है ज़रूरी**" संदेश वाला बैनर फहराया।

- यह पहल मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और नशे की लत से उबरने में सहायता करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है।
- मैहर पुलिस किशोरियों को **सुरक्षा, सामाजिक जोखिमों के बारे में शिक्षित करने** तथा उन्हें शिक्षा और कैरियर लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिये प्रेरित करने हेतु '**प्रबोधिनी' कार्यक्रम** भी चला रही है।

मुख्य बिंदु

- **अंजना सिंह के बारे में:**
  - वह लगभग 72 घंटों में माउंट एल्ब्रूस की चोटी पर पहुँचीं और बैनर के संदेश के लिये हिंदी को प्राथमिक भाषा के रूप में गर्व से प्रचारित किया।
  - माउंट एल्ब्रूस से लौटने पर, उन्हें **नशा-विरोधी अभियान** में उनके योगदान के लिये वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा **सम्मानित** किया गया।
  - अपनी पर्वतारोहण उपलब्धियों के अलावा, सिंह अपने ज़िले में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की **ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी काम करती हैं।**
  - यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने तथा उनकी शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- **माउंट एल्ब्रूस**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **माउंट एल्ब्रुस**, **कॉकस पर्वतमाला** की सर्वोच्च चोटी है, जो **दक्षिणी रूस** में, **जॉर्जिया की सीमा** के उत्तर में स्थित है और इसे **यूरोप की सबसे ऊँची चोटी (5642 मीटर)** के रूप में जाना जाता है।
  - कॉकस पर्वतमाला एक लंबी (1200 किमी से अधिक) एवं बीहड़ श्रृंखला है, जो काला सागर को कैस्पियन सागर से जोड़ती है।
- एल्ब्रुस एक **प्राचीन ज्वालामुखी (**सुप्त ज्वालामुखी**) है,** इसमें लगभग 2000 वर्षों से विस्फोट नहीं हुआ है।
  - एल्ब्रुस की संरचना में **दो ज्वालामुखी शिखर** (पूर्व और पश्चिम) शामिल हैं।
- ये शिखर **ट्रेकिंग** एवं **पर्वतारोहण** के लिये लोकप्रिय स्थल हैं; इनके मध्य स्थित सैडल (खाई/संयोग बिंदु) इस क्षेत्र तक पहुँचने का मार्ग प्रदान करता है।

प्रबोधिनी अभियान

- यह अभियान अक्तूबर 2024 में प्रारंभ किया गया था और तब से इसने **स्कूलों** तथा **गाँवों** तक व्यापक पहुँच बनाई है।
- इस अभियान को ज़िले में किशोर लड़कियों को शिक्षित करने हेतु शुरू किया गया था, जो **सुरक्षा**, **सामाजिक जोखिमों** पर केंद्रित है और बालिकाओं को **शैक्षिक** एवं **करियर लक्ष्यों** को आगे बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- **पुलिस टीमें** स्कूलों और गाँवों का दौरा करती हैं, जिसका उद्देश्य **जागरूकता बढ़ाना** तथा युवा लड़कियों की कमज़ोरियों को कम करना है।
- अभियान के निरंतर विस्तार के एक भाग के रूप में, स्कूली छात्राओं के लिये एक **व्हाट्सएप समूह** बनाया जाएगा, ताकि जागरूक और सशक्त युवा लड़कियों का एक **मज़बूत नेटवर्क** तैयार किया जा सके, जो **दुर्व्यवहार की पहचान** कर सकें, उसकी **रिपोर्ट** कर सकें तथा अन्य लोगों को भी इसी प्रकार की कार्रवाई के लिये **प्रेरित** कर सकें।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री **डॉ. मोहन यादव** ने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में "हर घर तिरंगा" अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

- राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ ही मुख्यमंत्री ने **स्वच्छता** को **राष्ट्रीय गौरव** से जोड़ने के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए लोगों से चल रहे अभियान के दौरान दोनों पहलुओं को अपनाने का आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

- स्वतंत्रता और स्वच्छता का उत्सव मनाने वाला **"हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता" अभियान** तीन चरणों में (2-15 अगस्त 2025) संचालित किया जा रहा है।
  - **चरण 1 (2-8 अगस्त):** ध्वज-केंद्रित कार्यक्रमों, चर्चाओं, प्रदर्शनियों और तिरंगा रंगोली व ध्वज प्रश्नोत्तरी जैसी इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से देशभक्ति तथा जागरूकता की भावना जागृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - **चरण 2 (9-12 अगस्त):** इसमें जन सहभागिता पर ध्यान केंद्रित रहा, जिसमें तिरंगा संगीत समारोह, ध्वज बिक्री और तिरंगा रैलियों का उद्देश्य व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- चरण 3 (13-15 अगस्त): घरों, कार्यालयों और वाहनों पर तिरंगे के अंतिम प्रदर्शन के साथ-साथ झंडे के साथ सेल्फी अपलोड करने को प्रोत्साहित किया जाएगा।

- **हर घर तिरंगा (HGT) अभियान**
  - यह अभियान स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा है।
  - इसका उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिये प्रोत्साहित करके नागरिकों में **देशभक्ति** और **राष्ट्रीय गौरव** की भावना जागृत करना है।
  - इसे वर्ष 2022 में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्त्वावधान में शुरू किया गया था और यह एक जन आंदोलन बन गया।
  - अन्य गतिविधियों में तिरंगा संगीत कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, तिरंगे के विकास पर प्रदर्शनियाँ आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के **वाणिज्यिक कर विभाग** द्वारा विकसित **संपदा 2.0** (संपत्ति और दस्तावेज़ों के स्टांप तथा प्रबंधन अनुप्रयोग) को सार्वजनिक सेवा में **प्रौद्योगिकी** के परिवर्तनकारी उपयोग के लिये **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस गोल्ड अवार्ड 2025** से सम्मानित किया गया।

- मध्य प्रदेश दस्तावेज़ों के लिये पूर्णतः **कागज़रहित ई-पंजीकरण** लागू करने वाला **पहला राज्य** है।

मुख्य बिंदु

- **संपदा 2.0 के बारे में:**
  - मध्य प्रदेश में वर्ष 2024 में लॉन्च की गई **संपदा 2.0** का उद्देश्य ई-पंजीकरण और ई-स्टांपिंग के लिये **उपयोगकर्त्ता के अनुकूल**, पारदर्शी प्रणाली प्रदान करना है, जो **सरकारी प्रक्रिया पुनर्रचना (GPR)** तथा नीति सिफारिशों के माध्यम से बेहतर प्रशासन, **साक्ष्य-आधारित** प्रसंस्करण और सरलीकृत पंजीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।
  - इस पहल का उद्देश्य उपयोगकर्त्ताओं को लाभ पहुँचाने के लिये आधुनिक **प्रौद्योगिकी**, **सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं** और समय पर निष्पादन का उपयोग करते हुए कुशल, पारदर्शी दस्तावेज पंजीकरण सेवाएँ प्रदान करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **GIS प्रौद्योगिकी:** संपदा 2.0 भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) प्रौद्योगिकी से युक्त है, जो बेहतर संपत्ति मानचित्रण और प्रबंधन को सक्षम बनाता है।
  - **उपलब्धता:** यह प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्त्ताओं को **संपदा 2.0** पोर्टल के माध्यम से कहीं भी, कभी भी ई-स्टांप प्राप्त करने की सुविधा देता है।
  - **मोबाइल ऐप:** यह मोबाइल ऐप राज्य के किसी भी स्थान की **निर्देशिका दरों** तक त्वरित पहुँच प्रदान करता है।
  - **फेसलेस पंजीकरण: भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899** के तहत, वीडियो KYC 140 प्रकार के दस्तावेज़ों में से 75 के लिये फेसलेस पंजीकरण को सक्षम बनाता है, जिससे सुविधा सुनिश्चित होती है और कार्यालय में शारीरिक रूप से जाने की आवश्यकता घटती है।
  - नई प्रणाली से **छद्मवेश** और **भूमि-संबंधी विवादों** को भी कम करने में मदद करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **ई-गवर्नेंस पर राष्ट्रीय पुरस्कार**
  - **प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DAR & PG)**, भारत सरकार ई-गवर्नेंस पहलों के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता को मान्यता देने तथा बढ़ावा देने के लिये **ई-गवर्नेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन** के दौरान हर साल **राष्ट्रीय पुरस्कार** प्रदान करती है।
  - राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार 2025 "**डिजिटल परिवर्तन के लिये प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा सरकारी प्रक्रिया पुनर्रचना**" श्रेणी में प्रदान किया गया।
- **पुरस्कार का उद्देश्य:**
  - ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करना।
  - सतत् ई-गवर्नेंस पहलों के डिज़ाइन और क्रियान्वयन के प्रभावी तरीकों पर ज्ञान का प्रसार करना।
  - सफल ई-गवर्नेंस समाधानों में क्रमिक **नवाचार** को प्रोत्साहित करना।
  - **समस्याओं के समाधान**, जोखिम न्यूनीकरण, मुद्दों के निवारण और सफलता की योजना बनाने में अनुभवों का आदान-प्रदान एवं प्रसार करना।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री **अटल बिहारी वाजपेयी** की **सातवीं पुण्यतिथि (16 अगस्त)** पर नई दिल्ली में उनके स्मारक **'सदैव अटल'** पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में:**
  - **अटल बिहारी वाजपेयी का** जन्म 25 दिसंबर, 1924 को तत्कालीन ग्वालियर रियासत (अब मध्य प्रदेश का हिस्सा) में हुआ था।
  - **उन्होंने वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन** के दौरान राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया, जिसने **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत** को गति प्रदान की
- **व्यावसायिक करियर:**
  - **वर्ष 1947 में वाजपेयी ने दीनदयाल उपाध्याय के समाचार पत्रों - राष्ट्रधर्म (एक हिंदी मासिक), पांचजन्य (एक हिंदी साप्ताहिक)** और **स्वदेश तथा वीर अर्जुन जैसे दैनिक** के लिये एक पत्रकार के रूप में काम करना शुरू किया।
    - **बाद में श्यामा प्रसाद मुखर्जी** से प्रभावित होकर वह वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए।
- **राजनीतिक यात्रा:**
  - **तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने:**
    - पहला कार्यकाल: 16 मई – 1 जून 1996 (13 दिन)
    - दूसरा कार्यकाल: 19 मार्च 1998 – 13 अक्तूबर 1999
    - तीसरा कार्यकाल: 13 अक्तूबर 1999 – 22 मई 2004
  - वे नौ बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के लिये चुने गए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - वर्ष 2015 में भारत रत्न।
  - वर्ष 1994 में पद्म विभूषण।
  - वर्ष 1994 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ सांसद) से सम्मानित।
  - उनके जन्मदिन (25 दिसंबर) को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- **निधन:**
  - 16 अगस्त वर्ष 2018 को उनका निधन हुआ।
- **मुख्य उपलब्धियाँ:**
  - स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना: दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क।
  - दूसरी पीढ़ी के **आर्थिक सुधारों** द्वारा औद्योगिक विकास और विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया।
  - वर्ष 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के दौरान भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया।
  - वर्ष 2000 में ग्रामीण संपर्क हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) का शुभारंभ किया।

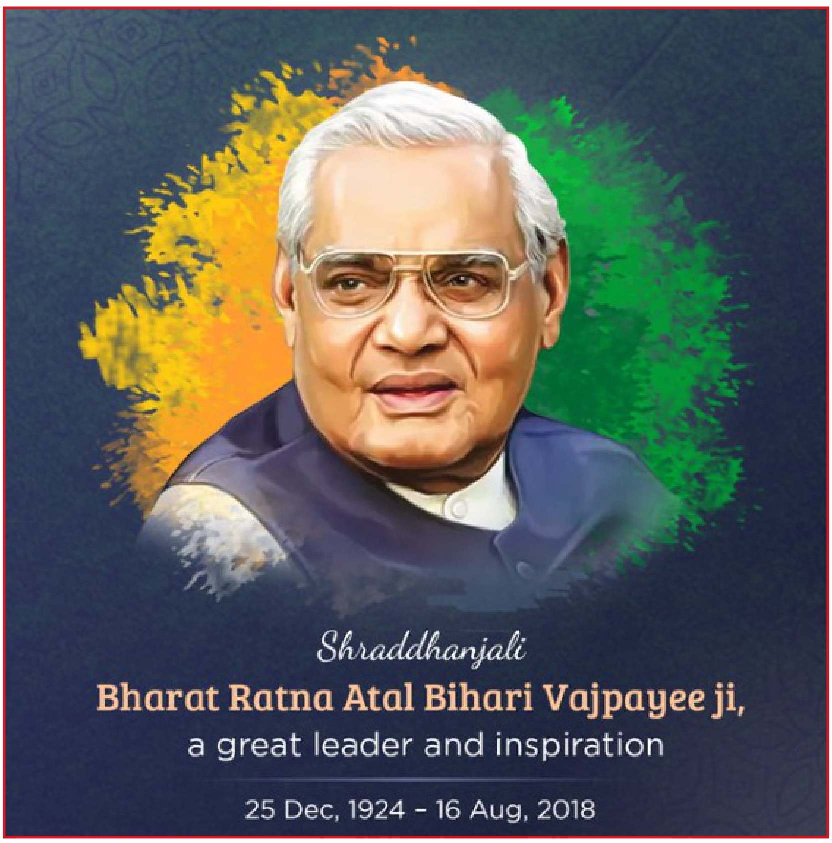

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

राष्ट्रीय लता मंगेशकर और किशोर कुमार पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024 और 2025 के लिये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लता मंगेशकर पुरस्कार तथा राष्ट्रीय किशोर कुमार पुरस्कार के प्राप्तकर्त्ताओं की घोषणा की।

- **लता मंगेशकर पुरस्कार** समारोह उनके जन्मस्थान **इंदौर** में 28 सितंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा, जबकि **किशोर कुमार पुरस्कार** उनके जन्मस्थान **खंडवा** में 13 अक्तूबर 2025 को प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

पुरस्कारों के बारे में:

- **राष्ट्रीय लता मंगेशकर पुरस्कार** और **राष्ट्रीय किशोर कुमार पुरस्कार**, **मध्य प्रदेश सरकार** द्वारा स्थापित, भारत के दो सबसे प्रतिष्ठित कलाकारों **लता मंगेशकर** और **किशोर कुमार** की अमूल्य विरासत को सम्मानित करते हुए उनकी स्मृति में प्रदान किये जाते हैं।
- **राष्ट्रीय लता मंगेशकर पुरस्कार:**
  - यह पुरस्कार भारतीय संगीत में **उत्कृष्ट योगदान, विशेषकर संगीत निर्देशन** और **गायन** के क्षेत्र में दिया जाता है।
  - **प्राप्तकर्त्ता:**
    - 2024: **शंकर-एहसान-लॉय** (संगीतकार त्रिमूर्ति)
    - 2025: **सोनू निगम** (पार्श्व गायक)
- **राष्ट्रीय किशोर कुमार पुरस्कार:**
  - यह पुरस्कार **गीत लेखन** और **फिल्म निर्माण** सहित भारतीय सिनेमा में उपलब्धियों को सम्मानित करता है।
  - **प्राप्तकर्त्ता:**
    - 2024: **प्रसून जोशी** (गीतकार)
    - 2025: **संजय लीला भंसाली** (फिल्म निर्माता)
- **प्राप्तकर्त्ताओं के बारे में:**
  - **शंकर-एहसान-लॉय:** शंकर महादेवन, एहसान नूरानी और लॉय मेंडोंसा एक प्रतिष्ठित भारतीय संगीत त्रिमूर्ति हैं, जो दिल चाहता है तथा ज़िंदगी ना मिलेगी दोबारा जैसे उल्लेखनीय कार्यों के साथ कई भाषाओं में अपनी विविध रचनाओं के लिये जाने जाते हैं।
  - **सोनू निगम:** हिंदी, तेलुगु और तमिल सिनेमा में मशहूर बहुमुखी पार्श्व गायक, जो कल हो ना हो तथा सूरज हुआ मद्धम जैसे गीतों के लिये प्रसिद्ध हैं।
  - **प्रसून जोशी:** एक प्रतिष्ठित गीतकार और कवि, तारे ज़मीन पर तथा चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों में अपने प्रभावशाली कार्य के लिये जाने जाते हैं।
  - **संजय लीला भंसाली:** एक महान फिल्म निर्माता और संगीतकार, जो देवदास तथा पद्मावत जैसी महाकाव्य फिल्मों के लिये प्रसिद्ध हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **लता मंगेशकर:** (28 सितंबर 1929 – 6 फरवरी 2022), जिन्हें "**भारत कोकिला**" कहा जाता है, एक महान पार्श्व गायिका थीं, जिनका करियर सात दशकों से अधिक समय तक चला।
- **किशोर कुमार:** (4 अगस्त 1929 – 13 अक्तूबर 1987) एक महान **भारतीय पार्श्व गायक**, अभिनेता, संगीतकार, गीतकर, निर्देशक और निर्माता थे, जो भारतीय सिनेमा तथा संगीत के इतिहास में सबसे प्रभावशाली एवं प्रिय आइकॉन में से एक माने जाते हैं।

मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव **14 अगस्त 2025** को मध्य प्रदेश के किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 की दूसरी किस्त के रूप में 17,500 करोड़ रुपए अंतरित करेंगे।

- मार्च 2025 तक इस योजना के तहत **83 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल 17,500 करोड़ रुपए प्रदान किये जा चुके थे,** जिससे राज्य के कृषक समुदाय को सहायता मिली।

मुख्य बिंदु

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के बारे में

- **परिचय**
  - सितंबर 2020 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
  - **मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना** को PM किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाले 6,000 रुपए के अतिरिक्त, सालाना 6,000 रुपए और प्रदान करके छोटे एवं सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के लिये तैयार किया गया है।
    - यह लाभ **2,000 रुपए की तीन किस्तों में** दिया जाता है।
- **पात्रता मापदंड:**
  - किसानों को **PM किसान सम्मान निधि योजना** (अनिवार्य ई-KYC) के तहत पंजीकृत होना चाहिये।
  - आवेदक **मध्य प्रदेश** का **स्थायी निवासी** होना चाहिये।
  - किसान के पास **कृषि योग्य भूमि होनी चाहिये** जहाँ वह कृषि कार्य कर सके।
  - **अपात्र किसानों** में **आयकरदाता**, **निर्वाचित प्रतिनिधि** और **सरकारी कर्मचारी** शामिल हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)

- **शुरुआत:** दिसंबर 2018
- **प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्रक योजना (100% वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा)
- **उद्देश्य:** पूरे भारत में भूमि-धारक किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
- **सहायता राशि:** प्रतिवर्ष 6,000 रुपए (2,000 रुपए की 3 समान किस्तों में)
- **भुगतान:** 100% प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) आधार-आधारित सत्यापन और वास्तविक समय भुगतान निगरानी के माध्यम से
- **पात्रता:** सभी भूमि-धारक किसान परिवार (कुछ अपवादों के साथ)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **लाभार्थी पहचान:** दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा
- **क्रियान्वयन एजेंसी:** कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (DA&FW)

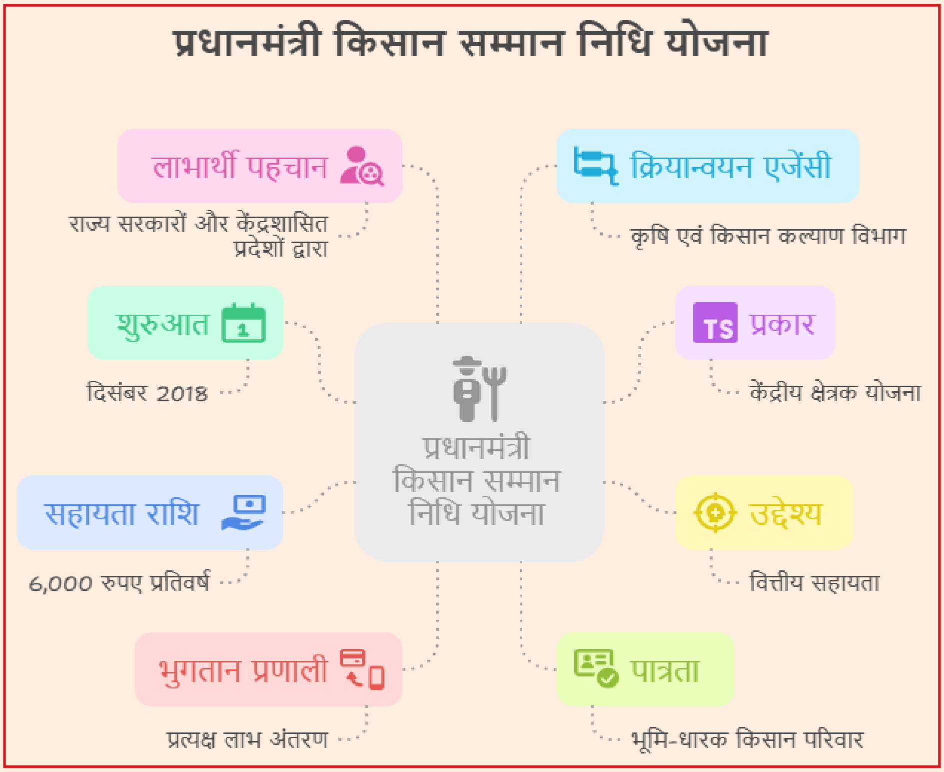

भोजपुर मंदिर में स्वच्छता अभियान

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त, 2025 को मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने **राष्ट्रीय गौरव** और **पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी** का संदेश फैलाते हुए संभावित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल **भोजपुर मंदिर (भोजेश्वर महादेव मंदिर)** में एक सफल स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

- यह कार्यक्रम "आज़ादी का उत्सव, स्वच्छता के संग" थीम पर आयोजित किया गया, जिसमें लोगों को स्वच्छता के साथ आज़ादी का **उत्सव** मनाने के लिये प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य बिंदु

अभियान के बारे में:

- **पर्यावरण जागरूकता:** प्रतिभागियों ने पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट निपटान, विशेषकर फूलों और प्रसाद के निपटान, **स्वच्छता को बढ़ावा** देने तथा विरासत के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **आध्यात्मिक जागरूकता:** भगवद्गीता से **कर्म योग** की शिक्षाएँ साझा की गईं, जिसमें सामाजिक, पर्यावरणीय और **आध्यात्मिक चेतना** का सम्मिश्रण था।

भोजेश्वर महादेव मंदिर

- **अवस्थिति:** भोजपुर, ज़िला रायसेन, मध्य प्रदेश
- **ऐतिहासिक महत्त्व:** 11वीं शताब्दी में परमार वंश के **राजा भोज द्वारा निर्मित**, भगवान शिव को समर्पित। वर्ष 2024 में इसे **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया।**
- **वास्तुकला:**
  - **शैली:** भूमिजा, शिखर पर द्रविड़ प्रभाव।
  - भूमिजा शैली की यह वास्तुकला बाद में उदयेश्वर और बीजामंडल जैसे मंदिरों को भी प्रभावित करती है।
- **उल्लेखनीय विशेषताएँ:**
  - **लिंगम:** विशाल आकार का (2.3 मीटर ऊँचा और 5.4 मीटर परिधि)।
  - **शिखर:** ऊँचा, जटिल नक्काशी और उभारों से युक्त।
  - **अपूर्ण संरचना:** अधूरा मंडप और छत।
- **अद्वितीय तत्व:**
  - समीपवर्ती चट्टानों पर उकेरे गए रेखाचित्र, जो इच्छित मंदिर के संरचना को दर्शाते हैं।
  - स्थल के चारों ओर नक्काशीदार चिनाई ब्लॉक और मिट्टी के रैंप।
- **मंदिर की विशिष्टता:**
  - विशाल आकार, जटिल नक्काशी और विशाल लिंगम परमार वंश की स्थापत्य प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं।
  - राजा भोज और परमार वंश के धार्मिक, सांस्कृतिक संरक्षण तथा स्थापत्य दृष्टिकोण का परिचायक।
  - भोजेश्वर मंदिर आकार और भव्यता की दृष्टि से चोल वंश के *बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर)* के समकक्ष है।
  - यदि यह पूर्ण हो गया होता, तो भोजेश्वर का शिखर **100 मीटर की ऊँचाई के साथ** बृहदेश्वर के 59.82 मीटर ऊँचे शिखर से अधिक ऊँचा होता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व अंगदान दिवस

चर्चा में क्यों?

अंगदान के जीवन-रक्षक प्रभाव के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के लिये** 13 अगस्त, 2025 को विश्व अंगदान दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व अंगदान दिवस के बारे में:**
  - **विश्व अंगदान दिवस** अंग दाताओं और उनके परिवारों के **निस्वार्थ योगदान का सम्मान करता** है तथा अधिक सार्वजनिक भागीदारी की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- **उद्देश्य:**
  - विश्व अंगदान दिवस का उद्देश्य अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना, प्रत्यारोपण के लिये अंगों की गंभीर कमी को उजागर करना, **अंग दाताओं के रूप में प्रतिज्ञा को प्रोत्साहित** करना तथा **जीवन-रक्षक** प्रत्यारोपण को सक्षम करने के लिये दाताओं और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।
- **वर्ष 2025 के लिये थीम:**
  - इस वर्ष का थीम **"आह्वान का उत्तर देना"** है, जैसा कि **अंगदान और प्रत्यारोपण गठबंधन** द्वारा निर्धारित किया गया है।
    - यह इस क्षेत्र में स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवरों के महत्त्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है, साथ ही अंगदान में अधिक-से-अधिक सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
- **वर्तमान आँकड़े:**
  - **यूनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग (UNOS)** के अनुसार, दुनिया भर में 1,03,993 से अधिक लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
- **अंग प्रत्यारोपण का इतिहास:**
  - विश्व का पहला सफल अंग प्रत्यारोपण वर्ष 1954 में हुआ, जब रोनाल्ड ली हेरिक ने अपने जुड़वाँ भाई को किडनी दान की।
  - अग्रणी शल्य-चिकित्सक डॉ. जोसेफ मरे को अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व कार्य के लिये वर्ष 1990 में फिज़ियोलॉजी या चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला।
- **भारत में राष्ट्रीय अंग दिवस:**
  - प्रारंभ में (वर्ष 2010 से) भारत में राष्ट्रीय अंगदान दिवस 27 नवंबर को मनाया जाता था, लेकिन भारत के पहले सफल मृतक दाता हृदय प्रत्यारोपण के उपलक्ष्य में वर्ष 2023 में इसे **3 अगस्त** को स्थानांतरित कर दिया गया। यह प्रत्यारोपण वर्ष 1994 में हुआ था।

राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO)

- स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत NOTTO की स्थापना मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुसार की गई थी।
- इसका **राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभाग** भारत में अंग और ऊतक दान व प्रत्यारोपण की रजिस्ट्री के समन्वय, क्रय, वितरण और रखरखाव के लिये शीर्ष केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिये **5 क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (ROTTO)** तथा 14 **राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO)** स्थापित किये गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

एशियाई कैनो स्लालम चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

चीन के गुइझोऊ में प्रतिष्ठित एशियाई कैनो स्लालम चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश **जल क्रीडा अकादमी** की महिला एथलीटों ने महिला कैनो स्लालम टीम स्पर्द्धा में **रजत पदक जीता** जबकि चीन ने स्वर्ण पदक जीता।

मुख्य बिंदु

- **कैनो स्लालम के बारे में:**
    - कैनो स्लालम में प्रतियोगी एक **श्वेत-जल मार्ग पर नौकायन** करते हैं, जिसकी लंबाई सामान्यत: 300 मीटर तक होती है। इसमें उन्हें **अधिकतम 25 अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम गेटों** से होकर गुजरना होता है तथा सबसे कम समय प्राप्त करना होता है।
- **चैंपियनशिप में भागीदारी:**
    - एशियाई कैनो परिसंघ ने 14 से 17 अगस्त वर्ष 2025 तक चैंपियनशिप का आयोजन किया जिसमें **भारत,** चीन, जापान और दक्षिण कोरिया **सहित** 10 देशों तथा क्षेत्रों के लगभग 100 एथलीट एवं कोच शामिल हुए।
    - **भारतीय टीम:**
        - भारतीय टीम में मध्य प्रदेश की **तीन प्रतिभाशाली एथलीट** शामिल थीं: शिखा चौहान, पल्लवी जगताप और रीना सेन।
    - **महत्त्व:**
        - रजत पदक भारतीय महिला टीम की हाल के वर्षों में **सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में से एक है**। यह उपलब्धि जल-क्रीडाओं के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी दर्शाती है, जिसका श्रेय खिलाड़ियों के उन्नत प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन को जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

अंतर्राष्ट्रीय कैनो फेडरेशन (ICF)

- यह कैनो और कायक **नौकायन खेलों की वैश्विक सर्वोच्च संस्था** है। यह विश्वभर में **10 विधाओं की देखरेख** करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- पाँच महाद्वीप (अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप एवं ओशिनिया) ICF की **कार्यकारिणी समिति और निदेशक मंडल में** प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - प्रत्येक महाद्वीप अपने-अपने **महाद्वीपीय अधिवेशन** के दौरान महाद्वीपीय प्रतिनिधियों तथा एक अध्यक्ष का निर्वाचन करता है।

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

भोपाल स्थित राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) **सेंट्रल जोन बेंच** ने प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में वार्षिक दर्शन यात्रा (बांधवगढ़ किले तक) की अनुमति देने के लिये राज्य के अधिकारियों को फटकार लगाई है।

- कोर क्षेत्र किसी संरक्षित क्षेत्र का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा होता है जहाँ जैवविविधता और वन्य जीवन की सुरक्षा के लिये मानवीय गतिविधियाँ आमतौर पर प्रतिबंधित होती हैं।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
    - एक **हरित कार्यकर्त्ता** ने बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व की **जैवविविधता** पर बड़े पैमाने पर तीर्थयात्राओं के नकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए एक याचिका दायर की, जिसमें बाँस की कटाई, अस्वास्थ्यकर शिविर, नदी प्रदूषण और वन्यजीवों का विघटन जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया, जो सभी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972), वन संरक्षण अधिनियम (1980) तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986) का उल्लंघन करते हैं।
- **सिफारिशें:**
    - मध्य प्रदेश सरकार को तीन महीने के भीतर यात्राओं को विनियमित करने के लिये एक **मानक संचालन प्रक्रिया** (SOP) को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वन्यजीवों को न्यूनतम व्यवधान हो और अंतरिम अवधि में **2012 प्रोजेक्ट टाइगर** दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।
    - भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून द्वारा किये गए वहन क्षमता अध्ययन का हवाला देते हुए, NGT ने दर्ज किया कि हालांकि यह क्षेत्र सैद्धांतिक रूप से 7,000–8,000 तीर्थ यात्रियों को समायोजित सकता है, लेकिन बाघों, हाथियों और अन्य बड़े जानवरों की उपस्थिति के कारण सुरक्षित क्षमता केवल 4,000–5,000 आगंतुकों तक ही सीमित है।
    - WII ने केवल वाहनों के माध्यम से प्रवेश, एक महीने पहले ऑनलाइन पंजीकरण और बेहतर भीड़ नियंत्रण की सिफारिश की।

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व

- यह मध्य प्रदेश की **विंध्य** और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है।
- इस पार्क में बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, **पनपथा वन्यजीव अभयारण्य** (कोर क्षेत्र) और आसपास का बफर क्षेत्र शामिल है, जो **उमरिया**, **शहडोल** तथा **कतनी** ज़िलों में फैला हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राजसी वन्यजीवन:** यह स्थान रॉयल बंगाल टाइगर के साथ-साथ तेंदुए, जंगली कुत्ते और गौर जैसे अन्य वन्यजीवों के आवास के लिये प्रसिद्ध है।
- **विविध आवास:** इस रिज़र्व में घने जंगल, बाँस की वनस्पति, विशाल घास के मैदान और **बारहमासी धाराएँ** हैं, जो विभिन्न प्रजातियों, विशेष रूप से एकाकी बाघ के लिये समृद्ध वातावरण प्रदान करती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व फोटोग्राफी दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व फोटोग्राफी दिवस (19 अगस्त) के अवसर पर इंदौर के फोटोग्राफी कला में किये गए उल्लेखनीय योगदान का उत्सव मनाया जा रहा है। शहर की समृद्ध फोटोग्राफी विरासत 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से जुड़ी है, जब **लाला दीनदयाल** जैसे अग्रदूतों ने इसे नई पहचान दिलाई।

मुख्य बिंदु

फोटोग्राफी में इंदौर का योगदान

- **भारत में 19वीं शताब्दी की जड़ें:**
  - **विलियम आर्मस्ट्रांग (1847):** पहले ब्रिटिश फोटोग्राफर थे जिन्होंने अजंता-एलोरा गुफाओं की तस्वीरें खींचीं।
- **इंदौर की फोटोग्राफी यात्रा:**
  - **लाला दीनदयाल** ने वर्ष 1888 में इंदौर का पहला फोटो स्टूडियो खोला। उनके कार्य को स्थानीय राजघरानों से सराहना मिली। इसी कारण निज़ाम ने उन्हें ज़मीन भेंट की और '**राजा दीनदयाल**' की उपाधि प्रदान की।
  - दीनदयाल के जाने के बाद भी कई फोटोग्राफरों ने उनके कार्य को आगे बढ़ाया।
- **प्रसिद्ध फोटोग्राफर:**
  - **भालू मोंधे (पद्मश्री सम्मानित):** वर्ष 1975 में इंदौर में रंगीन फोटोग्राफी की शुरुआत की और पहला कलर लैब स्थापित किया, जिससे शहर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

- **परिचय:**
  - यह दिवस 19 अगस्त को डाग्युरोटाइप प्रक्रिया' (Daguerreotype Camera) के आविष्कार के सम्मान में मनाया जाता है।
  - वर्ष 1839 में इसी दिन फ्राँसीसी सरकार ने आधिकारिक रूप से डाग्युरोटाइप की घोषणा की थी, जिसे **लुईस डाग्युरे** ने वर्ष 1837 में विकसित किया था।
  - डाग्युरोटाइप एक प्रारंभिक फोटोग्राफी प्रक्रिया थी, जिसमें **चाँदी-लेपित ताँबे की प्लेट** पर अत्यधिक सूक्ष्म और अद्वितीय सकारात्मक छवि तैयार होती थी।
  - इसी ने आधुनिक फोटोग्राफी की नींव रखी।
  - थीम 2025: "माय फेवरिट फोटो"।
- **इतिहास:**
  - इसका प्रस्ताव वर्ष 1988 में भारतीय फोटोग्राफर और शिक्षक **ओ.पी. शर्मा** ने रखा था।
  - वर्ष 2005 में यह एक वैश्विक **ऑनलाइन पहल** के रूप में उभरा।
  - वर्ष 2010 से इसे ऑस्ट्रेलियाई उद्यमी **कॉर्स्के आरा** द्वारा ऑनलाइन "**विश्व फोटोग्राफी दिवस**" के रूप में बढ़ावा दिया गया।
  - उत्तर अमेरिका के निर्माता **जॉन मोर्ज़ेन** ने इसकी वैश्विक पहचान को आकार देने और विस्तार करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

रेलवे का सबसे लंबा ग्रेड सेपरेटर ब्रिज

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे ने पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में एक ऐतिहासिक परियोजना के अंतर्गत **मध्य प्रदेश के कतनी जंक्शन** पर देश के सबसे लंबे **एलिवेटेड ग्रेड सेपरेटर ब्रिज** के निर्माण के साथ एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मुख्य बिंदु

- यह परियोजना, जो वर्ष **2020 में शुरू हुई थी** और वर्ष 2025 तक पूरी होने वाली है, इसमें 91.40 मीटर तक के फैलाव वाले रेल ओवर रेल (ROR) पुल होंगे, जिनके माध्यम से ट्रेनें पूरे शहर को बाईपास कर सकेंगी, जिससे यातायात सुगम होगा और परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी।
- **15.85 किमी लंबा यह नया एलिवेटेड पुल** प्रधानमंत्री की गति शक्ति पहल के तहत जारी बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण का एक प्रमुख हिस्सा है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

- **परिचय:**
  - यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे अक्तूबर 2021 में शुरू किया गया था। **इसे 16 मंत्रालयों के प्रयासों को एकीकृत करने** के लिये डिज़ाइन किया गया है, ताकि सभी क्षेत्रों में निर्बाध बुनियादी अवसंरचना परियोजना और कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।
- **उद्देश्य:**
  - यह 100 लाख करोड़ रुपए की एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसका उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में भारत के बुनियादी अवसंरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।
  - इसका विकास BISAG-N (भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भूसूचना विज्ञान संस्थान) द्वारा किया गया है।
  - यह परियोजनाओं के शीघ्र निष्पादन, समयसीमा में कमी तथा अंतर-मंत्रालयी बाधाओं को दूर कर भारत की **वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा** को बढ़ाने में सहायक है।

पीएम गति शक्ति के 6 स्तंभ

- **व्यापकता:** एक केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों की पहलों को एकीकृत करता है।
- **प्राथमिकता निर्धारण:** मंत्रालय राष्ट्रीय आवश्यकताओं के आधार पर परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से प्राथमिकता देते हैं।
- **अनुकूलन:** अंतराल की पहचान करता है, कुशल मार्गों का चयन करता है, लागत कम करता है और विलंब को न्यूनतम करता है।
- **समन्वयन:** विलंब से बचने के लिये मंत्रालयों के बीच समन्वय।
- **विश्लेषणात्मक क्षमताएँ:** बेहतर निर्णय लेने के लिये 200+ डाटा परतों वाला GIS-आधारित प्लेटफॉर्म।
- **गतिशील निगरानी:** प्रगति पर नज़र रखने के लिये उपग्रह इमेजरी का उपयोग करके वास्तविक समय परियोजना निगरानी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम 2025

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने **मध्य प्रदेश सिविल सेवा (अवकाश) नियम,** 2025 को मंज़ूरी दे दी है, जिसमें कई आधुनिक प्रावधान शामिल किये गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 के बारे में:**
  - नए **अवकाश नियम** केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप हैं और वर्ष **1977 के नियमों का स्थान लेंगे**।
  - उल्लेखनीय परिवर्तनों में शामिल हैं:
  - **सार्वजनिक मातृत्व अवकाश अब सरोगेट माताओं के लिये भी उपलब्ध होगा।**
  - **पितृत्व अवकाश** गोद लेने वाले पिता के लिये 15 दिन का होगा।
  - **बाल देखभाल अवकाश** अब एकल पुरुष कर्मचारियों तक भी विस्तारित किया गया है।
  - गंभीर रूप से बीमार और विशेष क्षमता वाले कर्मचारियों के लिये **अवकाश आवेदन प्रक्रिया** को सरल बनाया गया है।

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल ने भोपाल ज़िले की बैरसिया तहसील के बांदीखेड़ी गाँव में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर **की स्थापना** सहित विभिन्न **प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी दी।**

मुख्य बिंदु

प्रमुख परियोजनाओं के बारे में:

- **इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (EMC):**
  - **परिचय:** भारत सरकार की EMC 2.0 परियोजना के तहत भोपाल ज़िले के बैरसिया तहसील के बांदीखेड़ी गाँव में एक नया **इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर** स्थापित किया जाएगा।
  - EMC 2.0 **योजना** का लक्ष्य एक मज़बूत इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम विकसित करना, अवसंरचना प्रदान करना तथा परियोजनाओं और साझा सुविधाओं के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।
  - **उद्देश्य:** यह क्लस्टर इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग (ESDM) क्षेत्र को प्रोत्साहित करेगा, जिसमें विश्व-स्तरीय अवसंरचना और **कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC)** शामिल होंगे।
  - **प्रभाव:** यह पहल डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य निवेश बढ़ाना, रोज़गार सृजन करना, राजस्व में वृद्धि करना, उद्यमशीलता एवं नवाचार को बढ़ावा देना और **आर्थिक विकास** को प्रोत्साहित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नए आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और वेलनेस सेंटर:**
  - **स्थिति:** ये नर्मदापुरम, मुरैना, बालाघाट, शाहडोल और सागर सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित किये जाएंगे।
    - प्रत्येक महाविद्यालय में 100-बेड अस्पताल, छात्रावास, आवासीय क्वार्टर और फार्मेसी भवन होंगे।
  - **वित्तपोषण:** राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 350 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है (प्रत्येक महाविद्यालय के लिये 70 करोड़ रुपए, जिसमें केंद्र और राज्य के बीच 60:40 की वित्तीय साझेदारी होगी)।
  - **उद्देश्य:** राज्य के विभिन्न मंडलों में आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य देखभाल और वेलनेस उद्योग को सशक्त बनाना।
- **एंडोक्राइनोलॉजी विभाग:**
  - मधुमेह और गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते मामलों के मद्देनजर, सरकार ने गांधी मेडिकल कॉलेज (GMC), भोपाल में पहला समर्पित **एंडोक्राइनोलॉजी विभाग** स्थापित करने की स्वीकृति दी है।
- **'गीता भवन' योजना:**
  - **उद्देश्य:** शहरी स्थानीय निकायों में सुसज्जित अध्ययन केंद्र स्थापित कर **पठन, सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों** को प्रोत्साहित करना।
  - **लक्ष्य एवं वित्तपोषण:** वर्ष 2030 तक प्रत्येक ज़िले में एक **'गीता भवन'** स्थापित करने का लक्ष्य, जिसमें निर्माण, विस्तार और रख-रखाव के लिये राज्य सरकार वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।
- **जनजातीय छात्रावासों के लिये छात्रवृत्ति में वृद्धि:**
  - जनजातीय छात्रावासों में मेस सुविधाओं के लिये छात्रवृत्ति की अवधि 10 महीने से बढ़ाकर 12 महीने कर दी गई है, जिसमें उपस्थिति के आधार पर लड़कों के लिये 1,650 रुपए प्रति माह और लड़कियों के लिये 1,700 रुपए प्रति माह की राशि दी जाएगी।

'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना

चर्चा में क्यों?

महिलाओं को सशक्त बनाने और सतत कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश सरकार ने **'एक बगिया माँ के नाम'** परियोजना शुरू की है, जिसके तहत स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं की **निजी भूमि** पर **बाग** (orchards) विकसित किये जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - यह परियोजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) का हिस्सा है और इससे राज्य में 31,000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा।
  - **'एक बगिया माँ के नाम' ऐप** के माध्यम से 34,000 से अधिक महिलाएँ पहले ही पंजीकरण करा चुकी हैं।
  - सरकार पौधे, खाद, सिंचाई टैंक और सुरक्षा के लिये काँटेदार तार की बाड़ जैसे आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रही है।
- **ऐप आधारित चयन प्रक्रिया:**
  - लाभार्थियों का चयन विशेष रूप से 'एक बगिया माँ के नाम' ऐप के माध्यम से किया जा रहा है, जिसे मनरेगा परिषद के मार्गदर्शन में **MP राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSEDC)** द्वारा विकसित किया गया है।
  - केवल 0.5 से 1 एकड़ भूमि वाली महिलाएँ ही इस परियोजना में भाग लेने के लिये पात्र हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

  - ऐसे मामलों में जहाँ लाभार्थी महिला के पास भूमि नहीं है, वहाँ उसके पति, पिता, ससुर या पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के अधीन वृक्षारोपण किया जा सकता है।
- **लाभार्थी विवरण एवं प्रशिक्षण:**
  - परियोजना के लिये प्रत्येक ब्लॉक में कम-से-कम 100 पात्र महिलाओं का चयन किया जा रहा है।
  - इन महिलाओं को अपने बागों की उचित देखभाल और वृद्धि सुनिश्चित करने के लिये उर्वरक उपयोग, सिंचाई, कीट नियंत्रण तथा अंतर-फसल खेती सहित बाग प्रबंधन पर द्वि-वार्षिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- **कृषि सखियों के माध्यम से सहायता:**
  - प्रत्येक 25 एकड़ के लिये, लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिये एक कृषि सखी (कृषि साथी) नियुक्त की जाएगी, जो जैविक उर्वरकों और कीटनाशकों की तैयारी सहित सतत् कृषि प्रथाओं पर व्यावहारिक मार्गदर्शन और सलाह देगी।
- **निगरानी और पारदर्शिता:**
  - पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये **ड्रोन और उपग्रह इमेजरी** के माध्यम से वृक्षारोपण गतिविधियों की निगरानी की जाएगी।
  - पर्यवेक्षण के लिये एक अलग **डैशबोर्ड** भी बनाया गया है। प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 3 ज़िलों, 10 ज़िला पंचायतों और 25 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा।
- **लाभार्थी चयन में अग्रणी जिले:**
  - लाभार्थी चयन में अग्रणी ज़िलों में **सिंगरौली, देवास, खंडवा, निवाड़ी और टीकमगढ़** शामिल हैं, जिन्होंने परियोजना में सक्रिय भागीदारी दिखाई है।
- **संभावना:**
  - इस परियोजना से 31,000 से अधिक **स्वयं सहायता समूह (SHG)** की महिलाएँ लाभान्वित होंगी, जो अपनी निजी भूमि पर 3 मिलियन से अधिक **फलदार वृक्ष** लगाएंगी, जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की नींव रखी जाएगी।

संपूर्णता अभियान

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के आकांक्षी ज़िलों पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव के लिये '**संपूर्णता अभियान**' की सराहना की है।

- इस अभियान ने पिछड़े ज़िलों में **विकास** को गति दी है, मातृ स्वास्थ्य, बाल टीकाकरण, **मृदा स्वास्थ्य कार्ड** वितरण, स्कूलों में **बिजली** और **पाठ्य पुस्तकों** की उपलब्धता में सुधार किया है, साथ ही शासन तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि की है एवं ज़िलों के बीच **स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा** को बढ़ावा दिया है।

मुख्य बिंदु

- **संपूर्णता अभियान के बारे में:**
  - **यह** नीति आयोग द्वारा एक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत में 500 **आकांक्षी ब्लॉकों** और 112 **आकांक्षी ज़िलों** में 12 प्रमुख **सामाजिक क्षेत्र संकेतकों** की 100% संतृप्ति प्राप्त करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- 4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, **सामाजिक विकास** और **शिक्षा** पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **प्रमुख लक्षित क्षेत्र:**
  - अभियान का मुख्य उद्देश्य महत्त्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्र संकेतकों की **पूर्ण संतृप्ति** सुनिश्चित करना है, जिनमें शामिल हैं:
    - **मातृ स्वास्थ्य:** प्रसव पूर्व देखभाल (ANC) के लिये गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण।
    - **बाल टीकाकरण:** 9-11 महीने की आयु के बच्चों के लिये पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना।
    - **मृदा स्वास्थ्य:** मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण और सतत् कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना।
    - **बुनियादी ढाँचा:** माध्यमिक विद्यालयों को **बिजली** उपलब्ध कराना और **पाठ्य पुस्तकों** का समय पर वितरण सुनिश्चित करना।
- **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम (ADP) और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP)**

कार्यक्रम	आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम (ADP)	आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP)
शुरुआत	2018	2023
उद्देश्य	**देश के 112 ज़िलों में** त्वरित एवं प्रभावी रूप से परिवर्तन लाना।	देश के **500 ब्लॉकों (329 ज़िलों)** में आवश्यक सरकारी सेवाओं की संतृप्ति के लिये।
विषय-वस्तु	स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा कृषि और जल संसाधन वित्तीय समावेशन और कौशल विकास आधारभूत संरचना	स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा कृषि और संबद्ध सेवाएँ आधारभूत संरचना सामाजिक विकास
संकेतकों की संख्या	81	40

मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक

चर्चा में क्यों?

राज्य विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री **राजेंद्र शुक्ला** द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर (IMR) भारत में सबसे अधिक है, जहाँ प्रति 1,000 नवजात शिशुओं में से 40 की मृत्यु राज्य में होती है।

मुख्य बिंदु

- भारत के महापंजीयक के नवीनतम **नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) 2022** के आँकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश का **IMR (40)** न केवल राष्ट्रीय औसत (26) से ऊपर है, बल्कि सभी राज्यों में सबसे अधिक है।
- इस समस्या से निपटने के प्रयास में, सरकार ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और पहलों के लिये **110 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं, जिनमें **एनीमिया मुक्त भारत**, **पोषण पुनर्वास केंद्र** तथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।
- **शिशु मृत्यु के कारण:** मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु के प्राथमिक कारणों में **समय से पहले जन्म**, **निमोनिया**, **सेप्सिस**, **जन्म के समय कम वज़न**, **जन्म के समय श्वासावरोध** और **दस्त** शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- सरकार ने शिशु मृत्यु दर को कम करने के अपने प्रयासों में इन कारकों को प्रमुख **लक्षित क्षेत्रों** के रूप में सूचीबद्ध किया है।

मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य

- स्वतंत्रता दिवस पर, मध्य प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (MP-NHM) ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने वाले ज़मीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं और सामुदायिक नेताओं के उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता दी।
- **ढकोनी में शून्य मृत्यु की उपलब्धि:** 8,107 की आबादी वाली **ढकोनी ग्राम पंचायत** ने लगातार दो वर्षों तक मातृ एवं शिशु मृत्यु की शून्य रिपोर्ट सफलतापूर्वक दर्ज की।
- **गरौली ग्राम पंचायत (छतरपुर) में प्रयास:** इसी प्रकार, छतरपुर जिले के **नौगाँव ब्लॉक** में **गरौली ग्राम पंचायत**, जिसकी जनसंख्या 6,598 है, में भी दो वर्षों में मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य रही।
- **रतलाम में संस्थागत प्रसव:** रतलाम ज़िले में, **बाजना ब्लॉक** के **रावटी PHC** ने वर्ष 2024-25 के लिये संस्थागत प्रसव में अग्रणी के रूप में उभरकर अपनी पहचान बनाई।

मध्य प्रदेश में मानवाधिकार उल्लंघन

चर्चा में क्यों ?

वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश में मानवाधिकार उल्लंघन के 10,373 मामले दर्ज किये गये, जो औसतन प्रतिदिन 29 मामलों के बराबर हैं। यह विगत पाँच वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि को दर्शाता है, साथ ही **लंबित शिकायतों की संख्या** भी बढ़ रही है।

मुख्य बिंदु

- **लंबित शिकायतें:**
  - मुख्यमंत्री ने विधानसभा को अवगत कराया कि वर्तमान में **मध्य प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग** (MP-SHRC) में **4,669 मानवाधिकार संबंधी शिकायतें लंबित** हैं।
    - यह वर्ष 2020-21 में लंबित शिकायतों की संख्या 2,798 से अधिक है।
  - हालाँकि विगत कुछ वर्षों में शिकायतों में वृद्धि हुई है, लेकिन MP-SHRC के दीर्घकालिक आँकड़ों के अनुसार **पूर्ववर्ती दशकों की तुलना में मामलों की कुल संख्या में गिरावट देखी गई है।**
  - वर्ष 2002-03 में 15,000 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई थीं, जबकि 2021-22 तक यह संख्या घटकर 9,000 से कम रह गई, जिसका मुख्य कारण मामलों का तेज़ी से निपटान था।
- **मानवाधिकार**
  - ये सभी मनुष्यों के लिये निहित अधिकार हैं चाहे उनकी जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, धर्म या अन्य स्थिति कुछ भी हो।
    - इनमें जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, दासता तथा यातना से मुक्ति, विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम करने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि शामिल हैं।
  - भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अनुसार, मानवाधिकार का आशय जीवन, स्वतंत्रता, समानता और व्यक्ति की गरिमा से संबंधित उन अधिकारों से है, जिनकी **गारंटी संविधान द्वारा दी गई है** या जो **अंतर्राष्ट्रीय संधियों** में निहित हैं तथा जिन्हें भारत के न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय बनाया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

NHRC के अनुसार, मानवाधिकार व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकार हैं जिनकी सुनिश्चितता संविधान द्वारा की गई है या अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों में सन्निहित है, जो भारत में न्यायालयों द्वारा लागू किये जाने योग्य हैं।

- भारत में मानवाधिकारों का प्रहरी
- **स्थापना:** वर्ष 1993 (मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुरूप)
- **अधिनियम:** मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993

राज्य मानवाधिकार आयोग

- PHR अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित
- **सदस्यों की नियुक्ति:** राज्यपाल द्वारा
- **सदस्यों का निष्कासन:** राष्ट्रपति द्वारा

मानवाधिकार दिवस: 10 दिसंबर

कार्य

- मानवाधिकार उल्लंघन संबंधी शिकायतों की जाँच करना
- मामलों का स्वतः संज्ञान
- मानवाधिकार कार्यान्वयन की समीक्षा और अनुशंसा करना
- मानवाधिकार जागरुकता फैलाना
- मानवाधिकार मुद्दों पर अध्ययन करना, रिपोर्ट प्रकाशित करना

शक्तियाँ

- व्यक्तियों को समन देना, गवाहों की जाँच करना और साक्ष्य प्राप्त करना
- यह सुनिश्चित करने के लिये जेलों और अन्य संस्थानों का निरीक्षण करना कि यहाँ स्थितियाँ मानवीय हैं
- मानवाधिकारों से संबंधित न्यायालयी कार्यवाही में हस्तक्षेप करना

NHRC के सदस्य

संघटन

- 5 पूर्णकालिक सदस्य और 7 मानद सदस्य
- **अध्यक्ष:** सेवानिवृत्त CJI/SC के न्यायाधीश
- **प्रशासनिक प्रमुख:** महासचिव

नियुक्ति

- **6 सदस्यीय समिति** (प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपाध्यक्ष, केंद्रीय गृहमंत्री और संसद के दोनों सदनों के विपक्ष के नेता) की सिफारिशों पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सभी सदस्य

कार्यकाल

- 3 वर्ष / 70 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो)

निष्कासन

- राष्ट्रपति अध्यक्ष या किसी सदस्य को निष्कासित कर सकता है
- **आधार:** दुर्व्यवहार या अक्षमता के आरोप सिद्ध होने पर

राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों का वैश्विक गठबंधन (GANHRI) में स्थिति:

- **NHRC** को वर्ष 1999 से **'A'** श्रेणी का दर्जा प्राप्त है
- **'A' श्रेणी की स्थिति :** वर्ष 2006, 2011 और 2017 में बरकरार रही
- **'A' स्थिति का निलंबन:** वर्ष 2023 और वर्ष 2024

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (FDR) तकनीक

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग (PWD) भोपाल में भोजपुर मंदिर आने वाले पर्यटकों के लिये मार्ग को सुगम बनाने और लगातार गड्ढों की समस्या को दूर करने के लिये **फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (FDR)** तकनीक का उपयोग कर सड़कों को सुधार रहा है।

मुख्य बिंदु

- **फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (FDR) के बारे में:**
  - यह प्रक्रिया सड़कों के "रीसाइक्लिंग" जैसी है। पुराने **अस्फाल्ट** को फेंकने के बजाय, इस तकनीक में मौजूदा सड़क सामग्री को पीसकर नीचे की मिट्टी के साथ मिलाया जाता है।
  - यह मिश्रण नई सड़क के लिये आधार तैयार करता है तथा एक नवीन, **स्थायी सतह** प्रदान करता है।
- **सुदृढ़ीकरण:**
  - आधार को और अधिक मज़बूत बनाने के लिये, सीमेंट, चूना या अस्फाल्ट **इमल्शन** जैसे बाइंडर वाले पदार्थ मिलाए जाते हैं।
  - यह बाइंडर गोंद की तरह कार्य करता है, सामग्रियों को एक साथ जोड़ता है और एक ठोस आधार सुनिश्चित करता है, जो भारी यातायात और मौसम की परिस्थितियों को सहन कर सके।
- **लाभ:**
  - **लागत-प्रभावशीलता:** यह तकनीक **किफायती है**, क्योंकि इसमें मौजूदा सामग्रियों का पुन: उपयोग होता है, जिससे **नए संसाधनों की आवश्यकता कम हो जाती है।**
  - **स्थायित्व:** स्थिर आधार परत लंबे समय तक **टूट-फूट को सहन कर सकती है,** जिससे सड़क के रखरखाव के लिये एक स्थायी समाधान उपलब्ध होता है।

भोजपुर मंदिर

- यह **भोजपुर, रायसेन ज़िला, मध्य प्रदेश** में स्थित है।
- इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में परमार वंश के राजा भोज ने करवाया था।
- यह **भगवान शिव** को समर्पित है और इसे वर्ष 2024 में यूनेस्को **की विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची** में शामिल किया गया है।

मध्य प्रदेश में खाद्य अपमिश्रण के मामले

चर्चा में क्यों ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, प्रताप राव जाधव ने राज्यसभा में उत्तर दिया कि, औसतन, मध्य प्रदेश में **प्रतिदिन सात खाद्य अपमिश्रण (मिलावट) के मामले दर्ज** होते हैं, जिससे राज्य खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों के मामले में **उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद भारत में तीसरे स्थान** पर है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **FSS अधिनियम के तहत दंड:** वित्तीय वर्ष 2024-25 में, कुल **13,920 खाद्य नमूनों के परीक्षण** में से **2,597 मामलों** पर **खाद्य सुरक्षा और मानक (FSS) अधिनियम, 2006** के तहत दंड लगाया गया।
  - यह **2023-24 की तुलना में 659 मामलों** की वृद्धि को दर्शाता है, जब 13,842 नमूनों पर 1,938 दंड लगाए गए थे।
- **रुझान विश्लेषण:** पिछले पाँच वर्षों में, मध्य प्रदेश ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद सभी राज्यों में **खाद्य अपमिश्रण के लिये सबसे अधिक दंड** लगाए जाने वाले मामलों का अनुभव किया है।

खाद्य अपमिश्रण

- **परिचय:** भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के अनुसार, खाद्य अपमिश्रण से तात्पर्य उन पदार्थों का आशय से **जोड़ना**, प्रतिस्थापन करना या हटाना है, जो **खाद्य की प्रकृति, गुणवत्ता, या सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डालते** हैं।
  - इसमें उन अप्रत्यक्ष संदूषण (unintentional contamination) को भी शामिल किया जाता है, जो खेती, फसल कटाई, भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, या वितरण के दौरान हो सकता है।
- **भारत में खाद्य अपमिश्रण के कारण:**
  - अप्रभावी प्रवर्तन और खंडित खाद्य आपूर्ति शृंखलाएँ (80% अनौपचारिक बाज़ारों में)।
  - एकीकृत राष्ट्रीय नीति का अभाव और वैश्विक सुरक्षा मानकों से विचलन।
  - प्रसंस्करण उद्योगों में संसाधन की कमी, तलने के तेल का पुन: उपयोग, अस्वच्छता।
  - कीटनाशक अवशेष और निम्नस्तरीय पोषण संवर्द्धन प्रथाएँ; भ्रामक लेबलिंग।
- **कानूनी और नीतिगत ढाँचा:**
  - **FSSA, 2006 और FSSAI**- उत्पादन, आयात, बिक्री और मानकों को नियंत्रित करता है।
  - **पैकेजिंग और लेबलिंग नियम, 2011**- सामग्री, एलर्जन और समाप्ति तिथि का खुलासा।
  - **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019**- अपमिश्रित खाद्य के लिये मुआवज़े का अधिकार।
- **अनुशंसित उपाय:**
  - खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को औपचारिक रूप प्रदान करना (जैसे, PM FME योजना)।
  - नियमों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना; FSSA में संशोधन करना।
  - कुशल कार्यबल बढ़ाना; उद्योग–शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना।
  - निगरानी, दंड, मोबाइल लैब्स और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन को सुदृढ़ करना।
  - अपस्ट्रीम/डाउनस्ट्रीम संदूषण नियंत्रण के लिये वन हेल्थ दृष्टिकोण अपनाना।

मध्य प्रदेश में घोषित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

सड़क परिवहन और राजमार्गों के केंद्रीय मंत्री, नितिन गडकरी ने मध्य प्रदेश में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की घोषणा की, जिनमें पर्यटन को प्रोत्साहन देने हेतु प्रमुख बाघ अभयारण्यों को जोड़ने वाला **चार-लेन कॉरिडोर** और भोपाल और जबलपुर के बीच एक ग्रीनफील्ड हाईवे शामिल है, जिसका निर्माण अगले वर्ष शुरू होने वाला है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **टाइगर कॉरिडोर:** ₹5,500 करोड़ का 'टाइगर कॉरिडोर' **कान्हा, पेंच, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिज़र्व** को जोड़ेगा, जिसका उद्देश्य पर्यटन को प्रोत्साहन देना, रोज़गार सृजित करना और राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है।
- **राजमार्ग (Highways):** भोपाल और जबलपुर के बीच 255 किमी. लंबा नया ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा, जिसकी लागत ₹15,000 करोड़ होगी और इसका विस्तृत परियोजना विवरण (DPR) दिसंबर 2025 तक तैयार होने की आशा है।
  - एक 220 किमी. लंबा हाई-स्पीड कॉरिडोर, जो सिवनी ज़िले के लखनादौन को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से जोड़ेगा, की भी घोषणा की गई।
- **सबसे लंबा फ्लाईओवर:** जबलपुर में 6.85 किमी. लंबे नए फ्लाईओवर का भी उद्घाटन किया गया, जो **राज्य का सबसे लंबा फ्लाईओवर** है। इसके शुरू होने से मदन महल और दमोह नाका के बीच यात्रा का समय 45 मिनट से घटकर केवल 7 मिनट रह जाएगा।
  - इसमें 192 मीटर लंबा केबल-स्टे ब्रिज और **तीन बो-स्ट्रिंग ब्रिज** भी शामिल हैं।
  - 1,200 करोड़ रुपए की लागत से बना यह फ्लाईओवर **केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (CRIF)** द्वारा वित्तपोषित है और इसकी शुरुआत वर्ष 2019 में हुई थी।

केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (CRIF):

- केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (CRIF), जिसे प्रारंभ में केंद्रीय सड़क निधि कहा जाता था, वर्ष 2000 में **केंद्रीय सड़क निधि अधिनियम, 2000** के अंतर्गत स्थापित किया गया था।
  - इस निधि का वित्तपोषण पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क के साथ लगाए गए उपकर के माध्यम से किया जाता है।
- वर्तमान में इस निधि का प्रशासन **वित्त मंत्रालय** द्वारा किया जाता है, जबकि पहले इसका प्रबंधन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किया जाता था।
- **केंद्रीय सड़क निधि अधिनियम (संशोधन), 2018** के अंतर्गत इस निधि का नाम परिवर्तित किया गया और इसकी परिधि का विस्तार किया गया, जिससे इस **निधि का उपयोग अन्य अवसंरचना परियोजनाओं** जैसे जलमार्ग, रेलवे अवसंरचना और सामाजिक अवसंरचना (जैसे शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थान) के वित्तपोषण के लिये भी किया जा सके।

रण संवाद-2025

चर्चा में क्यों?

रण संवाद-2025, एक विशिष्ट द्विवर्षीय कार्यक्रम, 26 अगस्त, 2025 से मध्य प्रदेश के **डॉ. अंबेडकर नगर** स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **विचारधारा के विषय में:** यह संस्था एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य **भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना** के बीच त्रि-सेवा संवाद को बढ़ावा देना है, जो समकालीन विचारधारा तथा युद्ध के भविष्य पर केंद्रित है।
- **आयोजक:** इस उद्घाटन समारोह की मेज़बान **भारतीय सेना** होगी तथा इसके बाद के कार्यक्रमों का नेतृत्व **भारतीय नौसेना** और भारतीय वायु सेना द्वारा किया जाएगा। यह चक्रीय संरचना आधुनिक युद्ध तथा रक्षा रणनीति पर सतत् तथा विकसित होती संवाद को सुनिश्चित करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस कार्यक्रम का आयोजन रक्षा स्टाफ मुख्यालय और संयुक्त युद्ध केंद्र द्वारा सेना प्रशिक्षण कमांड के सहयोग से किया जा रहा है तथा यह चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के मार्गदर्शन में संचालित है।
- **संयुक्त सिद्धांतों का विमोचन:** इस आयोजन के दौरान संयुक्त सिद्धांत, वैज्ञानिक सिद्धांत एवं क्षमता रोडमैप जैसे महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ जारी किये जाएंगे, जिनमें सैन्य आधुनिकीकरण और अंतर-सेवा एकीकरण के लिये भारत के दृष्टिकोण को सम्मिलित किया जाएगा।

वीर सिंह देव राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

प्रख्यात **हिंदी उपन्यासकार और पत्रकार दयानंद पांडे** को उनकी उल्लेखनीय साहित्यिक कृति '**विपश्यना में प्रेम**' के लिये **मध्य प्रदेश** साहित्य अकादमी द्वारा **वीर सिंह देव राष्ट्रीय पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

- पुरस्कार समारोह भोपाल में आयोजित किया गया, जहाँ उन्हें एक प्रशस्ति-पत्र, एक शॉल और **एक लाख रुपये** का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- **दयानंद पांडे के बारे में:**

  - गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के 67 वर्षीय उपन्यासकार और पत्रकार दयानंद पांडे एक अत्यंत विपुल लेखक हैं, जिनकी उपन्यास, लघु-कथाएँ, कविता, गज़ल, संस्मरण तथा सिनेमा-निबंध सहित विभिन्न विधाओं में 75 से अधिक प्रकाशित रचनाएँ हैं।
  - उन्होंने वर्ष 1978 में अपने पत्रकारिता करियर की शुरुआत की और **नवभारत टाइम्स** जैसे प्रमुख हिंदी दैनिकों में योगदान दिया।
  - उनकी पत्रकारिता विशेषज्ञता उनके उपन्यासों में झलकती है, जिसमें सामाजिक आलोचना, भावनात्मक गहराई और सूक्ष्म दृष्टि का मिश्रण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उल्लेखनीय कार्य:**
  - विपश्यना में प्रेम (पुरस्कार विजेता उपन्यास)
  - लोक कवि अब गाते नहीं
  - बर्फ में फँसी मछली
  - सुमी का स्पेस
  - मन्ना जल्दी आना
- **अनुवाद:**
  - उनकी कृतियों का अनुवाद भोजपुरी, पंजाबी, अंग्रेज़ी, उर्दू और मराठी में किया गया है।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - साहित्य और पत्रकारिता में दिये गए योगदान हेतु उनको अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें प्रमुख हैं—
    - लोहिया साहित्य सम्मान
    - साहित्य भूषण
    - प्रेमचंद सम्मान
    - यशपाल सम्मान
    - अमृतलाल नागर सम्मान
    - साहित्य गौरव सम्मान

मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी

- **स्थापना एवं उद्देश्य: वर्ष 1954 में स्थापित** साहित्य अकादमी का उद्देश्य मध्य प्रदेश और देश के प्रमुख लेखकों की कृतियों तथा व्यक्तित्वों से परिचित कराना है।
- शुरुआत में इसका मुख्यालय नागपुर में था, लेकिन मध्य प्रदेश के गठन के बाद इसे **भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया।**
- **साहित्यिक हस्तियों का सम्मान:** अकादमी मैथिलीशरण गुप्त, **माखनलाल चतुर्वेदी** और अन्य प्रसिद्ध राष्ट्रीय कवियों की जयंती मनाती है तथा साहित्य को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करती है।
- **युवा जुड़ाव और संपर्क:** अकादमी कार्यशालाओं, काव्य-आयोजनों और युवा लेखकों की रचनाओं के प्रकाशन के माध्यम से **साहित्य में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है**। इसकी **पत्रिका *साक्षात्कार*** विभिन्न विधाओं में निबंध, साक्षात्कार और साहित्यिक कृतियाँ प्रकाशित करती है।

अभ्यास ब्राइट स्टार 2025

चर्चा में क्यों?

रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं तथा मुख्यालय समन्वित रक्षा स्टाफ के 700 से अधिक कर्मी 28 अगस्त से 10 सितंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास '*ब्राइट स्टार* में भाग लेंगे।

- यह अभ्यास **मिस्र द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से** आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत सहित अनेक देश भाग ले रहे हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **ब्राइट स्टार अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास वर्ष 1980 से संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से मिस्र द्वारा आयोजित एक **द्विवार्षिक बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास** है।
  - यह क्षेत्र के सबसे बड़े त्रि-सेवा बहुपक्षीय अभ्यासों में से एक है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण वर्ष 2023 में हुआ था, जिसमें भारत सहित कई देशों ने भाग लिया था।
- **गतिविधियाँ और विशेषताएँ:** इस अभ्यास में सैन्य गतिविधियों की एक व्यापक श्रृंखला शामिल होगी, जिसमें शामिल हैं:
  - **लाइव फायरिंग अभ्यास:** भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन।
  - **कमांड पोस्ट अभ्यास:** भाग लेने वाले बलों के बीच संयुक्त योजना, निर्णय-लेने और परिचालन समन्वय को बढ़ाने के लिये विकसित किया गया।
  - **लघु प्रशिक्षण अभ्यास:** आधुनिक युद्ध के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित, जिन्हें तीनों सेनाओं द्वारा आयोजित किया जाएगा।
  - **विशेषज्ञों से संवाद:** समकालीन सैन्य अभियानों के विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ चर्चा और सहयोग किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - भारत की *'ब्राइट स्टार 2025'* में भागीदारी क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
  - इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र सेनाओं और मित्र राष्ट्रों की सेनाओं के बीच **सामरिक एकीकरण, पारस्परिक सहयोग** तथा **अंतर-संचालन** को सुदृढ़ करना भी है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME